संगोष्ठी : पवित्रता और कलाएँ
सोमवार 23 मार्च, 2015, प्रातः 10 से सायं 6.00 बजे
ललित कला अकादेमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली

प्रातः 10.00 से 10.10 बजे तक » श्री एम. रामचन्द्रन, कला समीक्षक और ललित कला अकादेमी के सचिव (प्रभारी) द्वारा स्वागत और परिचय वक्तव्य
10.10 से 10.20 » श्री मार्टिन गुरविच, निदेशक, मोसा और 'फार्मस ऑफ डिवोशन' परियोजना के निर्माता द्वारा परिचय
10.20 से 10.40 » भारतीय शास्त्रीय नृत्य केन्द्र की संस्थापक और अध्यक्ष, पदम विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह द्वारा नृत्य और भारतीय अध्यात्म परम्परा पर प्रस्तुति और व्याख्यान
10.40 से 11.00 » भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के अध्यक्ष और लेखक, भाषाविद् पद्मभूषण, प्रो. लोकेश चन्द्र द्वारा उद्घाटन भाषण

11.00 से 11.30 » चाय/कॉफी

इसके बाद निम्नलिखित आमन्त्रित वक्ताओं द्वारा परिसम्वाद होगा –

प्रातः 11.30 से दोपहर 1 बजे तक » पवित्रता क्या है?
अध्यक्षता – पद्मश्री डॉ. गणेश एन. देवी, साहित्यिक आलोचक, कार्यकर्ता और जनजातीय अकादेमी के संस्थापक निदेशक

'पवित्रता का प्रिज़्म' – टैगोर राष्ट्रीय रत्न सदस्यता प्राप्त प्रो. मधु खन्ना तुलनात्मक धर्मसंघ और सभ्यता अध्ययन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली की विज़िटिंग प्रोफेसर और तन्त्र फाउन्डेशन की अध्यक्ष हैं
'आध्यात्मिक अनुभव के रूप में लेखन' – सादिया देहलवी, लेखक, कार्यकर्त्ता और स्तम्भकार
'विश्व की संस्कृतियों से प्रेरित मेरी कृति में पवित्र तत्व' – जैकी स्लेपर, डच कलाकार
'समय की संचारी धारणा, अनुरैखिक समय और पवित्र–प्रगामी समय के रूप में समय' – डॉ. गीति सेन, सांस्कृतिक इतिहासकार, लेखक और कला आलोचक

दोपहर 1.00 से 2.00 बजे » भोजन

ORGANIZED JOINTLY BY | संयुक्त आयोजक

षष्टिपूर्ति समारोह
CELEBRATING SIXTY YEARS LALIT KALA AKADEMI

TEAMWORK
CELEBRATING THE ARTS

संगीत नाटक अकादेमी Sangeet Natak Akademi

rajasthan
The Incredible State of India

MOSA

WITH SUPPORT FROM | प्रायोजक

Indian Council for Cultural Relations

Manglam Arts

Standard Chartered

Olivia Fraser

FORMS of DEVOTION
The Spiritual in Indian Art

PROGRAMME | कार्यक्रम विवरण
23 March 2015 » Seminar: The Sacred & The Arts
सोमवार 23 मार्च, 2015, प्रातः 10 से सायं 6.00 बजे » संगोष्ठी : पवित्रता और कलाए

Lalit Kala Akademi, Rabindra Bhawan, Copernicus Marg, New Delhi
ललित कला अकादेमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली

SEMINAR: **THE SACRED & THE ARTS**
Monday, 23 March 2015 » 10 am to 6 pm
LKA, Rabindra Bhawan, New Delhi

10:00–10:10 am » Intro/ Welcome note by Mr M Ramachandran Artist & Secretary Incharge LKA
10:10–10:20 am » Introductory remarks by Martin Gurvich, Director MOSA & Producer of *Forms of Devotion* Project
10:20–10:40 am » Opening with lecture-demonstration on dance & Indian spiritual traditons by Padma Vibhushan Dr. Sonal Mansingh, Founder-President Centre for Indian Classical Dance
10:40–11:00 » Inaugural address by Padma Bhushan, Prof Lokesh Chandra, scholar, writer, linguist & President ICCR

11:00–11:30 am » Tea/ coffee

Three panel discussions with invited speakers as follows

11:30 am–1:00 pm » WHAT IS SACRED?

CHAIR: Padma Shri **Dr Ganesh N Devi,** literary critic, activist & Founder Director of Tribal Academy

PRESENTATIONS
The prism of the sacred by **Prof Madhu Khanna**, Tagore National Fellow, National Museum & Visiting Prof, Centre for the Study of Comparative Religion & Civilizations, Jamia Millia Islamia,New Delhi & Chairperson Tantra Foundation
Writing as a spiritual experience by **Sadiya Dehlvi**, writer, activist and columnist
Sacred elements in my work inspired by cultures of the world by **Jackie Sleper,** Dutch artist
TIME as sacred–progressive time, linear time and circular notions of time by **Dr Geeti Sen**, cultural historian, author & art critic

1:00pm to 2:00pm » Lunch

2:00–3:30 pm » WORLDS WITHIN

CHAIR: Dr Vishwanath Prasad Tiwari, poet and President Sahitya Akademi

PRESENTATIONS
Sacred textiles and the theological precepts they represent in form and function by Prof Archana Shastri, scholar of cultural studies & artist
Interrogating the divine feminine in Indian art: archetypes, stereotypes and continuities by Dr. Seema Bawa, Professor of Art History Delhi University, curator & critic
Speaking in sutras- the sacred in contemporary expression by Vineet Kacker, qualified architect & ceramist
Poetics of absence by Shabnam Virmani, documentary film maker, artist and Director of Kabir Project at Srishti School of Art, Design & Technology Bangalore

3:00–3:30 pm » Tea/ coffee Break

3:30 to 5:00 pm » THE SACRED & THE SECULAR IN THE ARTS

CHAIR: Namita Gokhale, writer, publisher & festival director

PRESENTATIONS
Audacity and the immeasurable - devotion in traditional Indian visual art by **Renuka Narayanan**, author, independent commentator and columnist on religion and culture
The sacred and the secular in craft practice by **Ritu Sethi**, Editor, Asia Inch Encyclopedia & Chairperson, Craft Revival Trust
Heritage scapes reflecting spirituality by **Dr Navina Jafa**, cultural activist, & academician
A global museum experience in Antwerp through Sacred Places Sacred Books & other exhibitions by C De Lauwer, indologist & curator, MAS - Museum, Belgium

5:00–6:00 pm » OPEN HOUSE

CHAIR: **Sushma K Bahl**, curator, writer, arts consultant & convener of the seminar
Valedictory address by **Prof KK Chakravarty**, art historian, educationst & Chairman, LKA
Lecture-demonstration on sacred music to mark the closing by **Madan Gopal Singh**, composer, singer, film theorist & Senior Fellow at the Nehru Memorial Museum and Library

Note: Programme subject to change

दोपहर 2.00 बजे से 3.30 बजे » 'वर्ल्ड्स विदिन' – सीमाओं के भीतर विश्व
अध्यक्षता – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, कवि और अध्यक्ष, साहित्य अकादेमी

'पवित्र वस्त्र और ईश्वरपरक बोध, जो वो अपने रूपों और लक्षण में प्रस्तुत करते हैं' – प्रो. अर्चना शास्त्री, कलाकार और सांस्कृतिक अध्ययन की वृतिछात्र
'भारतीय कला में दैवीय नारीत्व पर प्रश्न' – डॉ. सीमा बावा, दिल्ली विश्वविद्यालय में कला इतिहास की प्रोफेसर, कला संयोजक और आलोचक
'सूत्रों में वक्तव्य–समकालीन अभिव्यक्ति में पवित्रता' – विनीत केकर, योग्य वास्तुशिल्पी और सीरेमिक कलाकार
'अनुपस्थिति में काव्यशास्त्र' – शबनम विरमानी, डाक्यूमेन्ट्री फिल्म निर्माता, कलाकार और सृष्टि स्कूल ऑफ डिज़ाईन एण्ड टेक्नालॉजी, बंगलौर में कबीर परियोजना की निदेशक

दोपहर 3.00 बजे से 3.30 बजे » चाय/कॉफी

3.30 बजे से 5.00 बजे » कलाओं में पवित्रता और सर्वधर्मसमता
अध्यक्षता – नमिता गोखले, लेखक, प्रकाशक और उत्सव निदेशक

'परम्परागत भारतीय दृश्य कला में विशाल समर्पण और दुःसाहस' – रेनुका नारायणन, लेखक और धर्म तथा संस्कृति पर स्वतन्त्र रूप से लिखने वाली स्तम्भकार
'शिल्प प्रयोग में पवित्रता और सर्वधर्मसमता' – ऋतु सेठी, सम्पादक, एशिया ईंच एनसाईक्लोपीडिया और क्राफ्ट रिवाईवल ट्रस्ट की अध्यक्ष
'आध्यात्मिकता को प्रतिबिम्बित करती विरासत' – डॉ. नवीना जाफा, सांस्कृतिक कार्यकर्ता और शिक्षाशास्त्री
'पवित्र स्थलों, पवित्र पुस्तकों और अन्य प्रदर्शनियों के माध्यम से एंटवर्प में एक भौगोलिक संग्रहालय अनुभव' – सी.डी. लॉवेर, संयोजक, एम.ए.एस.–संग्रहालय, बेल्जियम

सायं 5.00 बजे से 6.00 बजे » ओपन हाउस
अध्यक्षता – सुषमा के. बहल, प्रदर्शनी संयोजक, लेखक, कला परामर्शदाता और संगोष्ठी की संयोजक

प्रो. कल्याण कुमार चक्रवर्ती, ललित कला अकादेमी के अध्यक्ष, कला इतिहासकार और शिक्षाविद् द्वारा समापन भाषण
कार्यक्रम के समापन पर नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में फिल्म सिद्धान्तकार और वरिष्ठ रत्न सदस्य, गायक, संगीतकार श्री मदन गोपाल सिंह द्वारा पवित्र संगीत पर व्याख्यान–प्रदर्शन

नोट : कार्यक्रम में बदलाव किए जा सकते हैं।